AKKINENI NAGESWARA COLLEGE :: GUDIVADA– 521301

(An autonomous college in the jurisdiction of Krishna University, Machilipatnam – 521 001. A.P., India)
Affiliated to Krishna University Machilipatnam

HINDI SYLLABUS

Semester- I

No. of Hours per week: 4

No. of Credits: 3

Max. Marks: 100

External: 75

Internal: 25

Unit	I Semester
1. गद्य संदेश	1.साहित्य की महत्ता 2.सच्ची वीरता 3.मित्रता
2. कथा लेक	1.मुक्तिधन 2.गूदड़ साई 3.उसने कहा था
3. व्याकरण	कार्यालयीन हिन्दी शब्दावली(हिन्दी से अंग्रेजी में बदलना तथा अंग्रेजी से हिन्दी में बदलना)
4. व्याकरण	लिंग, वचन, उल्टे शब्द, काल, वाच्य, वाक्य शुद्ध कीजिए
5. पत्र-लेखन	पत्र-लेखन (मित्र को पत्र, पिताजी को पत्र)

Recommended Books :

1. **गद्य संदेश -Dr. V.L.Narasimham Siva Koti**
2. **कथा लोक - Dr. Ghana Shyam**

AKKINENI NAGESWARA COLLEGE:: GUDIVADA– 521301

(An autonomous college in the jurisdiction of Krishna University, Machilipatnam – 521 001. A.P., India)
Affiliated to Krishna University Machilipatnam

HINDI SYLLABUS

Semester- II

No. of Hours per week: 4
No. of Credits: 3

Max. Marks: 100
External: 75
Internal: 25

Unit	II Semester
1. गद्य संदेश	1. साहित्य और संस्कृति का परस्पर संबंध 2.भारत एक है 3.हेच.आई.वी / एड्स
2. कथा लेक	1.जरिया 2. भूख हड़ताल 3. परमात्मा का कुत्ता
3. व्याकरण	कार्यालयीन हिन्दी शब्दावली(हिन्दी से अंग्रेजी में बदलना तथा अंग्रेजी से हिन्दी में बदलना)
4. व्याकरण	संधि-विच्छेद, वाक्य प्रयोग
5. पत्र-लेखन	आवेदन पत्र, पुस्तक विक्रेता के नाम पत्र

Recommended Books :

1. **गद्य संदेश** -Dr. V.L.Narasimham Siva Koti
2. **कथा लोक** - Dr. Ghana Shyam

AKKINENI NAGESWARA COLLEGE:: GUDIVADA– 521301

(An autonomous college in the jurisdiction of Krishna University, Machilipatnam – 521 001. A.P., India)

Affiliated to Krishna University Machilipatnam

HINDI SYLLABUS

Semester- III

No. of Hours per week: 4
No. of Credits: 3

Max. Marks: 100
External: 75
Internal: 25

Unit	III Semester
1. काव्य दीप	कबीरदास – साखी-1-10, सूरदास - बालवर्णन, मातृ भूमि-मैथिलीशरण गुप्त, तोड़ती पत्थर - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला गीत फरोश - भवानी प्रसाद मिश्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास	*काल विभाजन-* आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी के अनुसार, *भक्ति काल* : ज्ञानाश्रयी शाखा – कबीर, प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी
3. साधारण निबन्ध	समाचार पत्र, पर्यावरण और प्रदूषण, बेकारी की समस्या, कंप्यूटर.
4. अनुवाद	अनुवाद अभ्यास
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी	परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, राष्ट्रभाषा हिन्दी